श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - ९

फरवरी २०२५
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. चारित्रगुण की वृद्धि और शुद्धि..... करने से होती है ।
२. जिस कर्म के उदय से परोपकार करने पर भी जीव अन्य को अप्रिय लगता है वह..... कर्म है ।
३. यज्ञरुपी ..... वाला यजमान शिघ्रता से स्वर्गलोक में जाता है ।
४. गंगा और सिंधु ये दो महानदियां लघु हिमवंत के उपर के ..... से निकलती हैं ।
५. प्रभु द्वारा बताये गये उपायों में एक उपाय..... का था ।
६. श्रुतसागर में उसके..... में गोताखोर बनकर गोता लगाता है उसे श्रुतसागर में से रत्न मिलते हैं ।
७. तप विशिष्टता..... का भेद है ।
८. असद् मार्ग से आत्मा को ..... वापिस लौटाती है ।
९. वैताढ्य के साथ ऐरावत क्षेत्र को..... नदीयाँ छः खंड में विभाजित करती है ।
१०. शय्या संथारे को प्रमार्जित न किया हो अथवा जसे तैसे प्रमार्जित किया हो तो ..... अतिचार जानना ।
११. ..... कर्म के उदय से नीरोगी होते हुये भी उसे अपनी शक्ति का उपयोग करने का मन न हो ।
१२. मेतार्य स्वभाव से ..... थे ।
१३. सामायिक में पद अक्षर आदि अशुद्ध बोले तो ..... अतिचार जानना ।
१४. धन्नाशेठ के धर्मोपदेश से..... बोध पाता नहीं ।
१५. श्री अजितनाथ और शांतिनाथ दोनों ..... से महान है ।
१६. पश्चिम महाविदेह में होकर..... पश्चिम की ओर लवण समुद्र में मिलाती है ।
१७. ..... नाम कर्म के उदय से जीव स्वयं के शारीरिक अवयवों के द्वारा दुःखी होता है ।
१८. अशुद्ध पौषध करने से जो ..... होनी चाहिये वह होती नहीं ।
१९. खांसी छींक आदि द्वारा दूसरे व्यक्ति को अपना सोचा हुआ कार्य करने हेतु बुलाये तो ..... अतिचार जानना ।
२०. संथुआ अजिय संति पायया हुंतु मे ..... दायया ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. स्वाध्याय सुनकर किसे जातिस्मरण ज्ञान हुआ ?
२. लाभ विशिष्टता यह किसका भेद है ?
३. सीता नदी स्वयं के प्रपात में पडकर किस क्षेत्र में बहती हैं ?
४. सामायिक में किस पाप का मिच्छामि दुक्कडं देने से छूटते हैं ?
५. वेद पद का गलत अर्थ करने से मेतार्य को किस बारेमें शंका हुई ?
६. अजितनाथ तथा शांतिनाथ भगवान किस सुख से खेदरहित थे ?
७. सामायिक व्रत द्वारा किसमें प्रवेश होता है ?
८. मध्य क्षेत्रमें किस क्षेत्र का समावेश होता है ?
९. जीभ, पलक इन अवयवों की प्राप्ति किस कर्म से होती है ?
१०. भक्ति रहित होकर सामायिक करे वह किसका दोष है ?
११. श्रावक और साधु स्वाध्याय कब करें ?
१२. पौषार्थी किसकी सूत्रणा करे तो अतिचार लगे ?
१३. मेतार्य के पिता की नगरी कौनसी थी ?
१४. श्री अजितनाथ व शांतिनाथ भगवान किस में श्रेष्ठ थे ?
१५. पूरे शरीर में व्याप्त विष को अंगुली के एक भाग में लाकर कौन रखता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) पेसवण २) अविहिय ३) जलणे ४) मोअेउ ५) गच्छति ६) जिट्ठा ७) पत्तेअं ८) जइ ९) विदुहा १०) परमेण ११) सलिला १२) नीअं १३) अट्ठिमाई १४) सत्थिय १५) विउलं १६) गुणिय १७) तसा १८) लंबिगा १९) झुणी २०) सोहिया

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) पद्म	१) प्रक्षेप	६) पुद्गल	६) प्रपात
२) कंबल	२) यजमान	७) मंदरगिरी	७) रक्त
३) अनुष्ठान	३) तप	८) यज्ञ	८) संथारक
४) उष्ण	४) वत्स	९) श्रुत	९) निरतिचार
५) कुवचन	५) दिग्गज	१०) नीलवंत	१०) कलह

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. सामायिक के पच्चखाण के भांगे में कितने नियम आते है ?
२. कर्म विज्ञान की कितनावी गाथा में आदेय नाम कर्म का उल्लेख है ?
३. सोलह विजय की बत्तीस नदीयों का प्रत्येक का कितना परिवार है ?
४. मेतार्य गणधर का चारित्र पर्याय कितने वर्ष का था ?
५. देसावगाशिक में प्रतिक्रमण के साथ कितने सामायिक करने होते है ?
६. आशी विष के धारक जो सर्प उसे मंत्रकार कितने योजन प्रमाण देश में लाकर रखे ?
७. उच्च गोत्र कर्म के भेद कितने ?
८. मध्य क्षेत्र में नदीयों की संख्या कितनी ?
९. अहो रात्रि पौषध कितने प्रहर का होता है ?
१०. सामायिक में कितने दोष लगने की संभावना रहती है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. वे जीव जिन्होने स्वयोग्य पर्याप्ति पूर्ण कर ली है उन्हे करण पर्याप्ता कहते है ।
२. उपाश्रय से निकलते समय निस्सिही न कही हो तो पौषध मे अतिचार लगता है ।
३. अजितनाथ भगवान व शांतिनाथ भगवानन के तप से सभी के पाप टल गये हैं ।
४. गंगा और सिंधु दोनों नदीयों को मार्ग में छोटी छोटी चौदह हजार नदीयाँ मिलती हैं ।
५. जिस कर्म के उदय से दांत अस्थियां आदि अवयव मिलते है वह स्थिर नाम कर्म है ।
६. क्रोधरुपि अग्नि से ग्रसित पुरुष करोड वर्ष के किये हुए सुकृत को दो घडी मात्र में जला डालता है ।
७. सामायिक यह दो घडी का साधुपना है ।
८. रुपानुपात अतिचार देशावगाशिक व्रत में आता है ।
९. वरुणा देवी ने आश्लेषा नक्षत्र के शुभ योग में तेजस्वी बालक को जन्म दिया ।
१०. रक्ता और रक्तवती नदीयाँ निषध के साथ ऐरावत क्षेत्र को छः खंड में विभाजित करती हैं ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. पौषध में पूर्व मे किये सावद्य कर्म अथवा व्यापार का स्मरण किया हो ।
२. सामायिक शुद्ध करने के लिये सामायिक के अतिचार एवं दोषो को जानना चाहिये ।
३. उनके गुणों को सुनने वाली यह सभा भी मेरे उपर अनुग्रह करो ।
४. सर्व उपभोग की सामग्री उपलब्ध होते हुए भी जीव उसका उपभोग न कर सके ।
५. अपने पास जो चीज हो वो किसी निमित्त से दूसरे ठिकाने भिजवा दे ।
६. प्रत्येक विजय की मुख्य दो नदीयाँ है वो रक्ता और रक्तवती के नाम से पहचानी जाती है ।
७. परलोक की सत्ता एवं अस्तित्व वे मानने को तैयार नहीं थे ।
८. एक देश का अवकाश यानि गमना गमन की छूट रखकर शेष रहे हुए प्रदेश वो पुनरपि नियम में लेना ।
९. बादर याने चक्षुग्राह्य (आंखो से देख सकें ऐसे) ।
१०. सर्व लोक के हितकारी मोक्ष के मूल रुप ज्ञान दर्शन और चारित्र को प्राप्त कराने वाले ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. सामायिक व्रत २) गोत्र कर्म ३) पौषध धर्म की आराधना ४) सीता और सीतोदा नदीयों का वर्णन
५. मेतार्य गणधर की शंका और प्रभु का समाधान ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com